आप भगवान की कक्षाएँ नहीं छोड़ सकते!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का नाम हो शाबाश। स्वागत है आपका, जब हम परमेश्वर के जीवित वचन, बाइबल में डुबकी लगाते हैं।

ऐसी बातें होती हैं जिन्हें परमेश्वर की जनता अपने समय पर प्राप्त करना या पूरा करना चाहती है, परन्तु वे नहीं समझते कि परमेश्वर का अपना निश्चित समय होता है जब वह इन इच्छाओं को पूरा करता है या प्रार्थनाओं का उत्तर देता है। इस दैवीय समय को समझना बहुत महत्वपूर्ण है।

जब हम पुनर्जन्म लेते हैं और मसीह हमारे अंदर निवास करते हैं, तो हम अपने अनुरोध और आवश्यकताएं प्रार्थना में परमेश्वर के सामने रखते हैं। वह हमें सुनता है, और निर्धारित दिन पर अद्भुत रूप से उत्तर देता है—यदि हमने उसकी इच्छा के अनुसार प्रार्थना की हो।

परन्तु परमेश्वर के उत्तर हमेशा हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होते। हम में से कई लोग चाहते हैं कि परमेश्वर हमें तुरंत कुछ दे दे जैसे ही हम मांगें, पर वे नहीं समझते कि परमेश्वर का उद्देश्य हमें जो माँगते हैं उससे नष्ट करना नहीं है।

नीतिवचन 1:32
“जो सरल हैं वे अपने ही मूढ़पन के कारण मारे जाते हैं, और मूर्खों
की लापरवाही उन्हें नष्ट कर देती है।” (ERV-HI)

आप भगवान की कक्षाएँ नहीं छोड़ सकते!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

परमेश्वर आपको वह देने से पहले जो आप माँगते हैं, आपको अपनी मूर्खता से छुटकारा दिलाना होगा। मूर्खता अक्सर हमारे शरीर की कमजोरी और पहले की पापी जीवनशैली से आती है। परमेश्वर आपको कभी ऐसा अच्छा नहीं देगा जो आपके विनाश का कारण बने; ऐसा होता तो वह बुद्धिमान और प्रेमपूर्ण पिता न होता।

इसलिए, मूर्खता को दूर करने का समय एक आवश्यक तैयारी की अवधि है—जो कभी-कभी बहुत लंबा भी हो सकता है।

एक दृष्टांत समझने के लिए:
कल्पना करें आप एक धनी माता-पिता हैं और आपका बच्चा आपसे कार मांगता है। एक प्रेमपूर्ण और बुद्धिमान माता-पिता के रूप में आप तुरंत चाबी नहीं देते। क्यों? क्योंकि बच्चा अभी पढ़ना, गिनना या ट्रैफिक नियम समझना नहीं जानता—तो वह सुरक्षित कैसे चलाएगा?

इसके बजाय, आप भविष्य के लिए कार का वादा करते हैं, लेकिन पहले उसे स्कूल भेजते हैं। वहाँ वह सीखता है कि कार क्या होती है, जिम्मेदारी से कैसे चलानी है, और सड़क के नियम क्या हैं—सिर्फ विलासिता के लिए नहीं, बल्कि उद्देश्य और सुरक्षा के लिए।

वादा करने से लेकर कार मिलने तक 15 साल लग सकते हैं। मतलब बच्चा 10 साल की उम्र में माँगने के बावजूद 25 साल की उम्र में कार पाता है।

आप भगवान की कक्षाएँ नहीं छोड़ सकते!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

अगर हम माता-पिता इतनी समझदारी से काम लेते हैं, तो परमेश्वर कितना अधिक!

परमेश्वर की तैयारी की प्रक्रिया
आप परमेश्वर से बड़ी चीज माँग नहीं सकते और तुरंत उसे अपनी वर्तमान समझ के साथ प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। परमेश्वर आपको पहले तैयार करेगा और यह तैयारी वर्षों भी ले सकती है।

केवल जब आप उसकी शर्तें पूरी करेंगे, तभी वह आपके अनुरोध स्वीकार करेगा।

यदि आपको अभी तक वह नहीं मिला जिसकी आपने मांग की है, तो इसका मतलब है कि आप परमेश्वर की कक्षाएं पूरी नहीं कर पाए हैं। धैर्य रखें और प्रभु पर भरोसा बनाए रखें।

आप परमेश्वर से धन की मांग नहीं कर सकते और साथ ही स्वार्थी या अभिमानी सोच रख सकते हैं। जब तक आप नाश करने वाले रवैये रखते हैं, तब तक परमेश्वर आपको आशीर्वाद नहीं देगा पहले वह उस मूर्खता को अपनी शिक्षा से हटाएगा, कभी-कभी गरीबी के माध्यम से, ताकि आप सहानुभूति और उदारता सीख सकें।

अगर आप जल्दी से परमेश्वर की शिक्षा समझ लेते हैं और जल्दी अपनी मूर्खता छोड़ देते हैं, तो आपको अपने वादे जल्दी मिल सकते हैं। लेकिन

आप भगवान की कक्षाएँ नहीं छोड़ सकते!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

अगर आप विरोध करते हैं, तो देरी की उम्मीद करें।

आध्यात्मिक दान और हृदय की पवित्रता
जब तक आप अभिमान या मसीह की कलीसिया के अन्य सदस्यों पर अत्याचार जैसी स्वार्थी मनोदशा रखते हैं, आप परमेश्वर से आध्यात्मिक दान नहीं मांग सकते। भले ही आपने अच्छी चीज़ मांगी हो, परमेश्वर आपको सुनेगा लेकिन तब तक नहीं देगा जब तक आपका हृदय भ्रष्ट है।

पहले वह आपको खास शिक्षा देगा ताकि आप आध्यात्मिक दानों का सच्चा उद्देश्य और अर्थ समझ सकें, और उनका उपयोग दूसरों की भलाई के लिए करें, न कि स्वार्थ के लिए।

जब आप विश्वासयोग्य और परिपक्व साबित होंगे, तभी परमेश्वर आपको ये दान सौंपेगा।

प्रार्थना का सिद्धांत और परमेश्वर की इच्छा
हमेशा याद रखें: परमेश्वर एक प्रेमपूर्ण पिता हैं, जो आपको ऐसी कोई चीज़ नहीं देंगे जो अंततः आपका विनाश करे।

इसलिए, परमेश्वर की इच्छा जानने का प्रयास करें। जब आप अपनी इच्छाओं को उसकी इच्छा के साथ जोड़ते हैं, तो उत्तर प्राप्त करना आसान हो जाता है क्योंकि आपके हृदय में कम मूर्खता होती है।

आप भगवान की कक्षाएँ नहीं छोड़ सकते!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

यदि आप परमेश्वर की इच्छा नहीं जानते या पालन नहीं करते, तो आपकी प्रार्थनाएँ विलंबित होंगी—चाहे कितने भी मध्यस्थ आपके लिए प्रार्थना करें क्योंकि परमेश्वर के नियम अपरिवर्तनीय हैं।

बाइबिल आधारित संदर्भ: याकूब 4:2-3
“तुम चाहते हो और पाते नहीं; तुम मारते और ईर्ष्या करते हो और कुछ नहीं पाते क्योंकि तुम मांगते नहीं; मांगते हो और पाते नहीं
क्योंकि तुम गलत मांगते हो, कि तुम उसे अपनी इच्छाओं में खर्च कर सको।” (ERV-HI)

यदि आप संतान के लिए प्रार्थना करते हैं, पर गुप्त रूप से उस बच्चे का उपयोग अपने शत्रुओं को नुकसान पहुंचाने या दूसरों को साबित करने के लिए करना चाहते हैं, तो आपकी प्रार्थना विलंबित हो सकती है। लेकिन यदि आप पवित्र इरादे से मांगते हैं कि बच्चे को परमेश्वर के भय में पालें, तो आपकी प्रार्थना जल्दी स्वीकार हो सकती है।

अंतिम प्रोत्साहन
प्रिय भाई या बहन, आज ही परमेश्वर की इच्छा जानने का प्रयास शुरू करें। जब आप उसकी इच्छा जानकर उसका पालन करेंगे, तो आप अपने भीतर की मूर्खता कम करेंगे, और आपकी प्रार्थनाएँ परमेश्वर के सही समय पर स्वीकार होंगी।

आप भगवान की कक्षाएँ नहीं छोड़ सकते!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

याद रखें, आप परमेश्वर की कक्षाएँ छोड़ नहीं सकते। यह प्रशिक्षण और विकास उन आशीषों तक पहुँचने की यात्रा का हिस्सा है, जिन्हें उसने वादा किया है।

परमेश्वर आपको भरपूर आशीर्वाद दे।

Share on:
WhatsApp

Print this post